चाफेकर इंजीनियरिंग के नये

सीईडी प्रकल्प की शुरुआत

संवाददाता

पुणे. चाफेकर इंजीनियरिंग 1985 से कार्यरत है. यह कंपनी टाटा मोटार्स के लिए ट्रक के लोडेड बॉडी तैयार करने का काम करती है. शुरुआत में कंपनी ने 200 किग्रॅ. तक की लोडेड बॉडी तैयार की लेकिन अब 6 टन तक लोडेड बॉडी तैयार करने की क्षमता है. चाफेकर इंजीनियरिंग के हिंजवडी, पिंपरी व चिंचवड में प्लांट्स है. माल की गुणवत्ता और मजबूती के लिए यह प्रसिद्ध है.

3500 ट्रक बॉडी को सीईडी तरीके से रंग देने वाला बड़ा प्रकल्प

बॉडी तैयार करने की क्षमता **2000** **ट्रक बॉडी प्रति माह में तैयार**

चाफेकर इंजीनियरिंग ने 12 मार्च को ट्रक के लोडेड बॉडी का रंग देने के लिए एक नये प्रकल्प की शुरुआत की है. इस प्रकल्प में सिईडी तरीके से ट्रक लोडेड बॉडी को रंग दिया जाता है. इसमें ट्रक के लोडेड बॉडी को रंग की टंकी में डुबाया जाता है. यह रंग पूरी तरह से पानी पर आधारीत होकर पर्यावरण हितैषी है. ट्रक की बॉडी को सीईडी तरीके से रंग देनेवाला यह विश्व का बड़ा प्रकल्प है. हर माह इस में 2000 ट्रक बॉडी तैयार किये जाते है. इसकी 3500 बॉडी तैयार करने की क्षमता है.

इस समय टाटा मोटार्स के एक्जिक्युटिव डायरेक्टर सतिश बोरवणकर ने कहा चाफेकर इंजिनियरिंग के साथ हमारे नजदीकी संबंध है. इस संबंध का कारण है अच्छी गुणवत्ता की आपूर्ती करना. सिईडी तंत्रज्ञान ट्रक बॉडी पेंटिंग की गुणवत्ता को सुधारती है और आयुमान बढ़ाती है.

100 **प्रतिशत पर्यावरण हितैषी**

चाफेकर इंजीनियरींग के अध्यक्ष अशोक चाफेकर ने कहा कि यह प्रकल्प चाफेकर इंजीनियरींग तांत्रिक गुणवत्ता को ऊंचाई पर ले जाने वाला है. इस प्रकल्प से हमारे ग्राहक निश्चित ही संतुष्ट होंगे. उन्होंने कहा कि यह प्रकल्प 100 प्रतिशत पर्यावरण हितैषी होने से पर्यावरण पर कोई बूरा असर नही दिखाई देगा. इस समय सुभाष चाफेकर, पद्माकर चाफेकर, चाफेकर इंजीनियरींग के अध्यक्ष अशोक चाफेकर, चाफेकर इंजीनियरींग के उपाध्यक्ष सुरेश सबरवाल, चाफेकर इंजीनियरींग के संचालक सचिन चाफेकर आदी उपस्थित थे.